



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19]
No. 19]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 11, 1984/आषाढ़ 20, 1906
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 11, 1984/ASADHA 20, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269
घ(1) के अधीन सूचनाएं
अयपुर, 18 जून, 1984

आवेस संख्या : राज०/सहा०आ० अर्जन/2431:—अतः मुझे एम०
एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं०
80 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाखण्ड अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 13-10-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक

के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था
छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त
अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धर्म चन्द पुत्र श्री बाल मुकन्द निवासी रायसिंहनगर वर्तमान
निवासी बम्बई (अन्तरक)
- (2) श्री मंगीराम एवं श्री गुरुदेव चन्द पुत्र श्री कुन्दन साह
असवाल निवासी रामानंदी, पंजाब (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न
कार्यवाहियों करता हूँ । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 80 का भाग जो उप-पंजीयक, हनुमानगढ़ द्वारा कम संख्या 1969 दिनांक 13 अक्टूबर, 1983 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 18 जून, 1984

मोहर

OFFICE OF THE I.A.C ACQUISITION RANGE, NOTICES UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Jaipur, the 18th June, 1984

Ref. No. Raj/LAC (Acq.)/2431.—Whereas I, M. M. Shukla being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 80 situated at Hanumangarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 13-10-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Chand, S/o Shri Bal Mukand R/o Raisinghnagar, Present resident at Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Mangiram, Shri Gurdev Chand S/o Shri Kundanlal Agarwal R/o Ramamandi Panjab. (Transferee)

objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.---

- by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Half portion of shop No. 80, situated at, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh vide registration No. 1969 dated 13-10-1983.

Date : 18-6-84.

Seal :

आदेश संख्या : राज०/सहा०आ० अर्जन/2432 —अतः मुझे एम० एम० शुक्ला आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी नं० बुकान नं० 80 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (और इससे उपायवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शुक्ला कुमारी पत्नि श्री धर्मचन्द जाति अरोड़ा निवासी रायसिंहनगर हाल निवासी बम्बई बजरिया मुक्तारबाग श्री श्री दास (अन्तरक)
- (2) श्री शैलीराम, हरबन्स लाल पिता कुन्दनलाल अग्रवाल निवासी बुढाड़ा महसोल मानसा जिला भटिण्डा (पंजाब) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्षः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, असोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फाइल नं० 80, स्थित धानसंड़ी, हनुमानगढ़ जो उप पंजियक, हनुमान-गढ़ द्वारा तब संख्या 1970 दिनांक 13-10-83 पर पंजियक विषय वस्तु में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 18 जून, 1984
कोहर

एम० एम० शुक्ला, सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
वर्जन रेंज, जयपुर

Ref. No. Raj./AIC (Acq.)/432.—Whereas, I, M. M. Shukla being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 80 situated at Hanumangarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 13-10-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby indicate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of said Act to the following persons, namely :

- (1) Smt. Shukla Kumari W/o. Dharm Chand Arora r/o. Raisinghnagar at present Bombay through P.A.H. Shri Tirhdass. (Transferor)
- (2) Shri Theliram, Harbanslal s/o Kundtal Aggarwal r/o Burladha Teh. Man. Dist. Bhatinda Panjab (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Sub-Registrar, Hanumangarh at S. No. 1970 dated 13-10-83

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

M. M. SHUKLA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

SCHEDULE

Shop No. 80 situated at Dhanmandi, Hanumangarh more fully described in sale-deed registered by

Date : 18-6-84.

Seal :